जनपद बाराबंकी की भ्रमण निरीक्षण आख्या

डा0 स्वप्ना दास– महाप्रबंधक मातृ स्वास्थ्य डा0 सुन्दना वर्मा – डी0जी0एम0(बाल स्वास्थ्य) सुश्री पूजा देवी – पी0सी0(मातृ स्वास्थ्य)	दिनांक – 16 से 18 मई 2018 स्थान– जिला महिला चिकित्सालय, जिला चिकित्सालय, एफ0आर0यू0 सी0एच0सी0–देवां एवं राम सनेही घाट पी0सी0एच0सी0– देवां एवं उपकेन्द्र कोटवा सड़क, बाराबंकी।
अवलोकन के बिन्दु (कार्यवाही का उत्तरदायित्व)	**अपेक्षित कार्यवाही**
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र–देवां दिनांक 16.05.2018 समय प्रातः 10 से 12:30 बजे	
➢ पी0सी0एच0सी0 परिसर में साफ–सफाई का अभाव था। ➢ डा0 साबिया खान, नियमित एम0बी0बी0एस0 महिला चिकित्साधिकारी अनुपस्थित थी, उनकी अनुपस्थित के बारे में चिकित्सा अधीक्षक भी कुछ जानकारी नहीं दे पाये।**(प्रभारी चिकित्साधिकारी)** ➢ पी0एच0सी0 में Tab Norflax and Tindazole एन0एन0सी0 हेतु लाल आरयन गोली की अनुपलब्धता पायी गयी।**(प्रभारी चिकित्साधिकारी)** ➢ चिकित्सा अधीक्षक द्वारा IV Fluid की भी कमी बतायी गयी।**(प्रभारी चिकित्साधिकारी)** ➢ पैथोलॉजी में Widal test kit तथा प्रेगनेंसी टेस्ट किट उपलब्ध नहीं थी।**(प्रभारी चिकित्साधिकारी)** ➢ पी0एच0सी0 पर लगभग 50 प्रसव प्रतिमाह कराये जा रहे हैं। ➢ लेबर रूम में साफ–सफाई की व्यवस्था ठीक नही थी तथा ए0एन0एम0 प्रियंका लेबर रूम में टीकाकरण कर रही थी।**(प्रभारी चिकित्साधिकारी)** ➢ मरीजों के तथा पी0एच0सी0 में स्टाफ के बैठने की उचित व्यवस्था नहीं है।**(प्रभारी चिकित्साधिकारी)**	• तत्काल साफ–सफाई की व्ययवस्था ठीक कराने हेतु निर्देशित किया गया। • सी0एम0एस0डी0 से समन्वय स्थापित कर दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कराने हेतु कहा गया। • तत्काल लेबर रूम से टीकाकरण कहीं अलग कराने का आदेश दिया गया।
एफ0आर0यू0 सी0एच0सी0_– देवां दिनांक 16.05.2018 समय 12:30 से 05:00 बजे	
➢ इमरजेंसी डयुटी रोस्टर लगा हुआ था, परन्तु उसमें तैनात चिकित्सक के नाम और नम्बर अंकित नहीं थे।**(बी0पी0एम0 व एम0ओ0आई0सी0)** ➢ चिकित्सा अधीक्षक द्वारा बताया गया कि ओ0पी0डी0 के हिसाब से दवाओं की कमी रहती है। ➢ आई0वी0 फ्ल्यूड की भी कमी पायी गयी।**(एम0ओ0आई0सी0)** ➢ हाई रिस्क प्रेगनेंसी के लिये अलग से रजिस्टर बनाने के लिये निर्देशित किया गया। **(बी0पी0एम0 व एम0ओ0आई0सी0)** ➢ केन्द्र पर बायोमेडिकल वेस्ट प्रबंधन की कोई क्रियाशील व्यवस्था नहीं थी परन्तु सी0एच0सी0 परिसर में कलर कोडेड बिन्स उपलब्ध थे। **(एम0ओ0आई0सी0)** ➢ सी0एच0सी0 परिसर में कमरों की अत्यधिक कमी है, एल0एम0ओ0 को अन्य डाक्टरों के साथ ही महिला मरीजों का परीक्षण करना पड रहा था, इस वजह से प्राईवेसी सुनिश्चित नहीं हो पा रही है। **(एम0ओ0आई0सी0)** ➢ लेबर रूम में साफ–सफाई व्यवस्था ठीक थी, प्रोटाकॉल पोस्टर लगे हुये थे तथा पार्टोग्राफ भरा जा रहा है। ➢ एन0बी0एस0यू0 स्थापित है, उसमें पोस्टेड 03 स्टाफ नर्सों को प्रशिक्षण की आवश्यकता है।**(एम0ओ0आई0सी0)** **वी0एच0एन0डी0–** ➢ ए0एन0एम0 पुष्पा के पास डयुलिस्ट उपलब्ध नहीं थी।**(बी0पी0एम0 व बी0सी0पी0एम)** ➢ आशा को समस्त जानकारी का अभाव था तथा ए0एन0एम0 व आशा को एच0आर0पी0 हेतु मिलने वाली प्रोत्साहन राशि के बारे में भी जानकारी नहीं थी । ➢ **(चिकित्सा अधीक्षक, एच0ई0ओ0, बी0पी0एम0 तथा बी0सी0पी0एम)**	• इमरजेंसी डयुटी रोस्टर तथा हाई रिस्क प्रेगनेंसी रजिस्टर हेतु निर्देशित किया गया। • बायोमेडिकल वेस्ट का उचित प्रबंधन करने हेतु निर्देशित किया गया। • सी0एम0एस0डी0 से बात कर तत्काल दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करानें हेतु कहा गया। • स्टाफ नर्स, ए0एन0एम0 व आशाओं का हैण्ड होल्डिंग प्रशिक्षण कराने हेतु निर्देशित किया गया।

एफ0आर0यू0 सी0एच0सी0 राम सनेही घाट दिनांक 17.05.2018 समय प्रातः 10 से 01:30 बजे	
➢ सी0एच0सी0 राम सनेही घाट एफ0आर0यू0 सी0एच0सी0 होने के उपरान्त भी वहां पर 3/4 सिजेरियन प्रतिमाह किये जा रहे है।**(एम0ओ0आई0सी0)** ➢ डा0 प्रेम दयाल, बाल रोग विशेषज्ञ को जिला अस्पताल में सम्बद्व करा गया है। वर्तमान में कोई बाल रोग विशेषज्ञ उपलब्ध नहीं है।**(सी0एम0ओ0)** ➢ 250 जे0एस0वाई0 कमिटेड लाभार्थियों का भुगतान नही किया गया था जिसके लिये ब्लॉक लेखा प्रबंधक को निर्देशित किया गया कि कमिटेड का शत्प्रतिशत भुगतान 31 मई 2018 तक कर लिया जाये।**(बैम, एच0ई0ओ0 तथा एम0ओ0आई0सी0)** ➢ एन0बी0एस0यू0 को स्थापित करने के लिये वहाँ पर सामान आ गया था जिसे 31 मई तक फंक्शनल करने हेतु निर्देशित किया गया।**(एम0ओ0आई0सी0)** ➢ फैमली प्लानिंग एवं अन्य आई0ई0सी0 की उपलब्धता नही थी। **(एम0ओ0आई0सी0)** ➢ लेबर रूम में समस्त प्रोटोकॉल पोस्टर भी प्रदर्शित नही किये गये थे।**(नर्स मेण्टर तथा एम0ओ0आई0सी0)** ➢ मयंक शुक्ला एन0सी0डी0, काउन्सलर की काउन्सलिंग के बारे में जानकारी पर्याप्त नही थी। और उनका रजिस्टर भी सही तरीके से नही बना था।**(एम0ओ0आई0सी0)**	• जे0एस0वाई0 कमिटेड लाभार्थियों का भुगतान तथा अन्य कमिटेड भुगतान 31 मई तक कराने हेतु निर्देशित किया गया। • एन0बी0एस0यू0 को 31 मई तक फंक्शनल करने हेतु निर्देशित किया गया। • 15 दिन के भीतर लेबर रूम में समस्त प्रोटोकॉल पोस्टर प्रदर्शित करने हेतु निर्देशित किया गया।
उपकेन्द्र–कोटवा सड़क 17.05.2018 समय 02:00 से 05:00 बजे	
➢ श्रीमती सुशीला मिश्रा (ए0एन0एम0) द्वारा उपकेन्द्र पर प्रतिमाह लगभग 20 प्रसव कराये जा रहे हैं। ➢ उपकेन्द्र पर केस शीट उपलब्ध नहीं है। ए0एन0एम0 द्वारा केसशीट नहीं भरी जा रही थी **(बी0पी0एम0 व बी0सी0पी0एम0)** ➢ प्रसव कक्ष में उपकरणों को विंसक्रमित करने हेतु वॉयलर उपलब्ध नहीं है।	• तत्काल केसशीट की उपलब्धता सुनिश्चित कराने तथा ए0एन0एम0 को केस शीट भरने का प्रशिक्षण दिये जाने हेतु निर्देशित किया गया। • प्रसव कक्ष में उपकरणों को विंसक्रमित करने हेतु एक वॉयलर हेतु चिकित्सा अधीक्षक को निर्देशित किया गया।
जिला महिला चिकित्सालय दिनांक 18.05.2018 समय प्रातः 10 से 01:30 बजे	
➢ भ्रमण के समय डॉ0 रविचन्द्र किशोर सी0एम0एस0(चार्ज पर) मौजूद थे। उनके द्वारा ओ0पी0डी0 की जा रही थी। ➢ ए0एफ0एच0एस0 क्लीनिक में आई0ई0सी0 की उपलब्धता बहुत कम थी। (**हॉस्पिटल मैनेजर, सी0एम0एस0**) ➢ लेबर रूम में साफ–सफाई ठीक थी, अटैच बाथरूम भी क्रियाशील था। लेबर रूम में सभी प्रोटोकॉल पोस्टर प्रदर्शित नहीं किये गये थे। (**नर्स मेण्टर, हॉस्पिटल मैनेजर**) ➢ जे0एस0एस0के0 डाइट रजिस्टर मानकानुसार नही बना हुआ था। **(एकाउंट अनुभाग, हॉस्पिटल मैनेजर, सी0एम0एस0**) ➢ जिला महिला चिकित्सालय में ओ0पी0डी नये एम0सी0एच0विंग में चल रही थी, परन्तु एम0सी0टी0एस0 ऑपरेटर पुरानी बिल्डिंग में बैठता है, जिससे ए0एन0सी0 का एम0सी0टी0एस0 पर रजिस्ट्रेशन नहीं हो पा रहा है।(**हॉस्पिटल मैनेजर, सी0एम0एस0**) ➢ एम0सी0टी0एस0 रजिस्ट्रेशन डिलीवरी के पश्चात जे0एस0वाई0 धनराशि वितरण हेतु ही किया जा रहा है। ➢ लेबर रूम के पी0एन0सी0 वार्ड की हालत बहुत ही खराब थी। (**हॉस्पिटल मैनेजर, सी0एम0एस0 व एम0एस0**) ➢ स्टाफ नर्स ऑन डयुटी पी0एन0सी0 वार्ड में डयुटी हेतु निर्धारित स्थान पर नहीं थी।**(मेट्रेन व एम0एस0)** ➢ नवजात शिशुओं को रैप करने के लिये घर से लाये गये पुराने कपड़ों का प्रयोग किया जा रहा है।(**हॉस्पिटल मैनेजर, सी0एम0एस0 व एम0एस0**) **एस0एन0सी0यू–** डा0 चन्द्रकान्त वर्मा डयुटी पर मौजूद थे।	• लेबर रूम में समस्त प्रोटोकॉल पोस्टर प्रदर्शित करने तथा डाइट रजिस्टर मानकानुसार बनवाने हेतु निर्देशित किया गया। • चिकित्सालय परिसर में तत्काल साफ–सफाई की व्ययवस्था सुनिश्चित कराने हेतु कहा गया है। • नवजात शिशुओं को रैप करने के लिये जे0एस0एस0के0 के अर्न्तगत दिये जाने वाले सफेद कपड़े की व्यवस्था सुनिश्चित कराने हेतु कहा गया। • आउट सोर्सिंग से तैनात स्टाफ के भुगतान हेतु तत्काल निर्देशित किया गया।

➢ एस0एन0सी0यू0 में वोल्टेज स्टेब्लाइजर की अत्यन्त आवश्यकता है, चूँकि उपकरण बार–बार खराब हो रहें हैं।**(सी0एम0एस0)** ➢ 04 रेडियन्ट वार्मर खराब हैं। **(एस0एन0सी0यू0 नोडल)** **के0एम0सी0**– ➢ के0एम0सी0 हेतु स्थान निर्धारित कर लिया गया है तथा 06 कुर्सियां उपलब्ध हैं, जिसे शीघ्र ही स्थापित किये जाने हेतु निर्देशित किया गया।**(सी0एम0एस0)** ➢ आउट सोर्सिंग से तैनात स्टाफ का भुगतान नहीं किया जा रहा है।**(सी0एम0एस0)**	• एस0एन0सी0यू0 में वोल्टेज स्टेब्लाइजर खरीदने के लिये कहा गया। • खराब रेडियन्ट वार्मर को तत्काल ठीक कराये जाने हेतु कहा गया। • आउट सोर्सिंग स्टाफ के तत्काल नियमानुसार भुगतान हेतु कहा गया।
जिला चिकित्सालय बाराबंकी दिनांक 18.05.2018 समय 01:30 से 03:00 बजे	
एन0आर0सी0– ➢ एन0आर0सी0 में कोई क्लीनर उपलब्ध नहीं है। ➢ माइक्रोन्यूट्रेन्स(Potchlor, folic acid) उपलब्ध नही हैं, जबकि कई बार इन्डेन्ट भेजा जा चुका है। ➢ माताओं का खाना एन0आर0सी0 किचन में बनाया जा रहा है। ➢ कम्प्यूटर का प्रोक्योरमेण्ट अभी तक नहीं कराया गया है। ➢ बच्चों के ब्लड़ सुगर की जांच सुगर स्ट्रिप न उपलब्ध होने के कारण नहीं हो पा रही है।	• समस्त बिन्दुओं पर सी0एम0एस0 के साथ चर्चा की गयी तथा तत्काल निवारण हेतु कहा गया।

मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय– दिनांक 18.05.2018 समय 03:00 से 05:30 बजे

भ्रमण के अन्तिम दिवस में मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय में राज्य स्तरीय भ्रमण टीम द्वारा ए0सी0एम0ओ0 आर0सी0एच, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, जिला लेखा प्रबंधक, जिला कम्युनिटी प्रोसेस मैनेजर एवं समस्त ब्लॉक के चिकित्सा अधीक्षक के साथ बैठक की गयी।

बैठक में निम्न बिन्दुओं पर चर्चा की गयी–

- समस्त एफ0आर0यू0 के चिकित्सा अधीक्षकों को एफ0आर0यू0 फंक्शनल करने के लिये कहा गया।
- भ्रमण के दौरान जिला अस्पताल, सी0एच0सी0, पी0एच0सी0 व उपकेन्द्र में पायी गयी कमियों के सम्बन्ध में मुख्य चिकित्साधिकारी को अवगत कराया गया।
- वी0एच0एन0डी0 सत्र पर प्राईवेसी मेन्टेन करने के सम्बन्ध में चर्चा की गयी।
- पी0एच0सी0 स्तर पर तैनात महिला चिकित्साधिकारी को तत्काल एफ0आर0यू0 पर स्थानान्तरित करने तथा विशेषज्ञ चिकित्सकों को Round the clock प्रयोग किये जाने हेतु कहा गया।
- कमिटेड में व्यय की समीक्षा की गयी तथा कमिटेड का शतप्रतिशत भुगतान 31 मई 2018 तक करने हेतु कहा गया।
- पी0बी0आई0 इन्सेंटिव तथा एच0आर0पी0 इन्सेंटिव के भुगतान हेतु समस्त चिकित्सा अधीक्षक को निर्देशित किया गया।